भारत सरकार

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1641

10 दिसंबर, 2024 के लिए प्रश्न

चावल को पोषणयुक्त बनाना

1641. श्रीमती फूलो देवी नेतम:

क्या **उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से वितरित पोषणयुक्त चावल में एक स्वास्थ्य चेतावनी शामिल होती है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) पोषणयुक्त चावल के सेवन से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दीर्घकालिक प्रभावों और उससे संबंधित जोखिमों पर सरकार द्वारा शुरू कराए गए या कराए जा चुके सभी अध्ययनों और प्रतिवेदनों की सूची; और

(घ) विशेष रूप से विभिन्न जनसंख्या समूहों के लिए संभावित स्वास्थ्य जोखिमों के संबंध में इनमें से प्रत्येक अध्ययन या प्रतिवेदन में उल्लेख की गई मुख्य सिफारिशें क्या हैं?

उत्तर

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री

(श्रीमती निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया)

(क) और (ख): पैकेजिंग और लेबलिंग निर्देश, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के अधिसूचित खाद्य सुरक्षा और मानक (खाद्य पदार्थों का फोर्टिफिकेशन) विनियम, 2018 और इसके बाद के संशोधनों के अनुसार हैं।

एफएसएसएआई ने दिनांक 02.08.2018 के राजपत्र अधिसूचना और उसमे दिनांक 27.08.2021 के संशोधन के माध्यम से आयरन-फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों के लिए पैकेजिंग और लेबलिंग निर्देश जारी किए थे, जिसमे थैलेसीमिया और सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित व्यक्तियों के लिए भी एक एडवाइजरी सम्मिलित थी । हालाँकि, एफएसएसएआई ने खाद्य सुरक्षा और मानक (खाद्य पदार्थों का फोर्टिफिकेशन) विनियम, 2018 में इस एडवाइजरी को हटाते हुए एक मसौदा संशोधन को अधिसूचित किया है, और जिसे दिनांक 19.07.2024 को लागू किया गया था ।

...2/-

(ग) और (घ): नीति आयोग ने चावल फोर्टिफिकेशन पहल के मूल्यांकन प्रभाव की निगरानी करने के लिए एक कोर समिति गठित की है। नीति आयोग और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय पोषण संस्थान (आईसीएमआर-एनआईएन) ने भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से आपूर्ति किए गए आयरन फोर्टिफाइड चावल के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए देश के छह विभिन्न राज्यों में छह जिलों में अध्ययन कराया है। इस अध्ययन में सभी आयु समूह शामिल हैं, एक टाइम-सीरीज़, रिपीट क्रॉस-सेक्शनल डिज़ाइन को लागू किया गया है और लगभग 10,000 व्यक्तियों को कवर किया गया है।

इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम के सहयोग से उत्तर प्रदेश राज्य सरकार ने *चंदौली* जिले में चावल फोर्टिफिकेशन पर गुणकारिता और प्रभावशीलता का अध्ययन किया। इस अध्ययन में, चावल फोर्टिफिकेशन की शुरूआत करने के बाद बच्चों (6-59 माह) में 65.7% (बेसलाइन : राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5, जनवरी 2021) से 58.2% (एंडलाइन: जुलाई-अगस्त 2023) की दर के साथ एनीमिया की व्यापकता में 7.5% प्वाइंट की महत्वपूर्ण कमी दर्शायी गई है।

इसके अतिरिक्त, आईसीएमआर-एनआईएन, हैदराबाद ने भी अध्ययन की समीक्षा की और पाया कि आयरन फोर्टिफाइड चावल का सेवन करने वाले प्रतिभागियों में अस्थायी प्रतिकूल प्रभावों के सीमित प्रमाण हैं। एक और उल्लेखनीय निष्कर्ष यह है कि भारत में चावल में आयरन फोर्टिफिकेशन के स्तर को देखते हुए, किसी भी आयु वर्ग के लिए फोर्टिफाइड चावल के माध्यम से कुल आयरन का सेवन 0.59 मिलीग्राम/किलोग्राम/दिन से कम है, जो आयरन की सामान्य दैनिक आवश्यकता के भीतर है।

*****